

उनवान

पीठासीन अधिकारी:- पूजा मीना आर.ए.एस

1. सोमोती पत्नि गिर्राज मीना जाति मीना निवासी गोरडा तहसील टोडाभीम। (सायला)

बनाम

1. रामचरण पुत्र किरोडी

2. विष्णु पुत्र रामचरण

3. सूरज पुत्र रामचरण

4. फूलवती पत्नि रामचरण

समस्त जातियान मीना निवासीयान गोरडा तहसील टोडाभीम।

(गैरसायलान)

प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा

उपस्थिति:- श्री रामावतार शर्मा एडवोकट सायला

निर्णय


दिनांक 25.10.2024

सायला द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा का संक्षेप मे विवरण इस प्रकार है। ग्राम गोरडा की आराजी ख0न0 589/0.30, 726/0.33, 812/0.36 कुल किता 3 कुल रकवा है0 मे सायला बहिस्सा 1/3 की खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है। शेष हिस्से के अन्य खातेदार गैरसायल न0 1 व दावे के प्रतिवादी न0 2 ता 4 है। दावे के गैरसायल न0 2 ता 4 का आराजी से कोई संबध किसी प्रकार का नहीं है। उक्त आराजी को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कब्जा प्राप्त किया है। तथा विक्रेतागण का जहाँ कब्जा था वही पर सायला द्वारा कब्जा प्राप्त है सायला ख0न0 726 रकवा 0.33 है0 पर काबिज है तथा काश्त कर रही है। तथा काबिज दखील है।

यह है कि बाका दिनांक 14.02.2021 को सुबह करीब 9 बजे का है कि सायला अपनी आराजी ख0न0 726 की सार संभाल कर रही थी कि गैरसायल आये तथा कहने लगे कि तुम इस जमीन को खाली कर दो, हम इस पर कब्जा करेगे इस पर सायला ने उन्हे समझाया कि भाईयो मैने बुरा किया मैने तो पैसा देकर कय किया है तुम खरीदलेते इतना सुनते ही गैरसायलान नाराज गये तथा कहने लगे कि हमको तुमने पैसा कम दिया है इसलिये हम तुम्हे ना तो जमीन पर कब्जा करने देगे ना ही काश्त करने देगे, इस पर सायला द्वारा बटवारे के लिए कहा तो साफ गार हो गये इस प्रकार गैरसायलान अपनी इस गैरकानूनी कुचेष्टा मे कामयाब हो गये तथा सायला को बेदखल कर दिया तो सायला को अपूर्तनीय क्षति हो जावेगी।

प्राईमाफेसी केश सायला के पक्ष मे साबित है। सुविधा का संतुलन सायला के पक्ष मे है अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने से गैरसायलान को कोई क्षति नहीं है। जबकि अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने से सायलान को अपूर्तनीय क्षति हो जावेगी।

अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पेश कर निवेदन है कि गैरसायल को ता दावा सायला पाबन्द फरमाया जावे कि आराजी ख0न0 589/0.30, 726/0.33, 812/0.36 कुल किता 3 कुल रकवा 0.99 है0 मे सायला के हिस्से की भूमि के कब्जा काश्त मे व्यवधान उत्पन्न नहीं करे, सायला को बेदखल नहीं करे, आराजी को खुर्द बुर्द नहीं करे आराजी को रहन व्यय नहीं करे, मौके रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखे।

  
(पूजा मीना)

उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर  
 टोडाभीम जिला-गंगापुर सिटी

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया गया। यलान बावजूद सूचना अनुपस्थित न्यायालय रहने से इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की

सायला वकील की एक पक्षीय बहस सुनी गई। सायला वकील ने प्रार्थना पत्र में तथ्यों का दोहरान करते हुये कथन किया कि प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी ख0न0 589/0.726/0.33, 812/0.36 कुल किता 3 कुल रकवा 0.99 है0 में 1/3 हिस्से की खातेदार का दर्ज रिकार्ड है। शेष हिस्से के अन्य सहखातेदार गैरसायल न0 1 व दावे के प्रतिवादी न0 4 है। दावे के गैरसायल न0 2 ता 4 का उक्त आराजी से कोई संबंध किसी प्रकार का नहीं उक्त आराजी को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कर कब्जा प्राप्त किया है। तथा विक्रेतागण का कब्जा था वही पर सायला द्वारा कब्जा प्राप्त किया है सायला ख0न0 726 रकवा 0.33 है0 पर ज है तथा काश्त कर रही है। तथा काबिज एवं दखील है। अतः प्राईमाफेसी केस सायला के में साबित होने से प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा ता दावा फ़ैसला पाबन्द फरमाया जावे कि 1 आराजी ख0न0 589/0.30, 726/0.33, 812/0.36 कुल किता 3 कुल रकवा 0.99 है0 में अलया हाजा द्वारा जारी अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा को ता दावा फ़ैसला कन्फर्म किया जावे।

सायला वकील की बहस पर मनन किया पत्रावली में शामिल दस्तावेजों का अवलोकन 1। पत्रावली में शामिल ग्राम गोरडा की जंमाबन्दी सम्वत 2074-77 में आराजी ख0न0 589/0.726/0.33, 812/0.36 कुल किता 3 कुल रकवा 0.99 है0 में 1/3 हिस्से की, गैरसायल न0 1 वरण पुत्र किरोडी 1/12 हिस्से का खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है, बकिया हिस्से के अन्य खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है। सायला वकील ने प्रार्थना पत्र व बहस में कथन किया है कि अला ने वर्णित आराजीयात को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से कय किया जाकर कब्जा प्राप्त किया है इन पत्रावली में ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है जिससे यह साबित होता हो कि सायला वर्णित आराजी कय की है। तथा सायला ने प्रार्थना पत्र में केवल अपने हिस्से के मुताबिक 726 वा 0.33 है0 पर कब्जा होना बताया है वर्णित आराजीयात का बिना तकास्मे के किसी एक खसरा पर कब्जा काश्त होना स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिये प्रथम दृष्टया प्रकरण सायला के में साबित नहीं है। उक्त विवेचन अनुसार सायला का आराजी तीनों खसरा नम्बरान पर कब्जा बेत नहीं किये जाने से प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार योग्य नहीं पाया जाता है।

आदेश

अतः न्यायालय हाजा दिनांक 19.04.2021 को जारी अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा को रिज करते हुये सायला का प्रार्थना पत्र कब्जे के अभाव में स्वीकार योग्य नहीं होने से खारिज या जाता है।

निर्णय आज दिनांक 25.10.2024 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।



(पूजा मीना)

उपखण्ड अधिकारी एवं जयदेव नैसहायक कलक्टर  
टोडाभीम, जिला-गंगार सिटी